क्या पौध कैनॉपी प्रबंधन आवश्यक है-जी हाँ।

- वांछित वृक्ष के आकार को प्रारंभ में ही नियंत्रित करता है।
- प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक वृक्ष लगाए जा सकते हैं।
- सूर्य विकिरण में सुधार होता है।
- कृषि संचालन-क्रियाओं को सुविधाजनक बनाता है।
- अच्छे-फलों की उपज को बढ़ाता है।

कैनॉपी प्रबंधन

फल उत्पादन हेतु वृक्ष का कैनॉपी (छत्र) प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण घटक है। अधिक और अच्छे गुणवत्ता वाले फलों की प्राप्ति के लिए वृक्ष के कैनॉपी में परिवर्तन करना ही कैनॉपी-प्रबंधन है। ज्यादातर फलदार वृक्षों में छत्र-प्रबंधन में हेरफेर द्वारा छोटे आकार के वृक्षों के सृजन से अच्छे गुणों वाले फलों का अधिकतम उत्पादन लिया जा सकता है। बड़े वृक्ष की तुलना में छोटा वृक्ष धूप को अधिक मात्रा में ग्रहण करता है। सूर्य के प्रकाश को अधिक मात्रा में ग्रहण करने तथा उसके रूपांतरण से फल उत्पादन में वृद्धि होती है। सूर्य से प्राप्त विकिरण और वृक्ष के छत्र द्वारा इस विकिरण का उपयोग फलों को निर्धारित करने वाले मुख्य घटक हैं।

कैनॉपी (छत्र) प्रबंधन के सिद्धांत

अधिक संख्या गुणवत्ता युक्त अच्छे फलों की प्राप्ति के लिए वृक्ष के छत्र (कैनॉपी) में परिवर्तन करना ही छत्र-प्रबंधन है।

- प्रकाश का अधिकतम उपयोग
- रोग और नाशीजीव संक्रमण के लिए अनुकूल सूक्ष्म-जलवायु को बनने से रोकना
- संवर्धन कार्य करने में सुविधाजनक स्थिति
- गुणयुक्त फल उत्पादन के साथ अधिकतम उत्पादकता
- अपेक्षित छत्र बनावट प्राप्त करने में किफायत

कटाई-छंटाई के उद्देश्य

- प्ररोह को पुनः स्थापित करना: तरुमूल अनुपात
- कमजोर द्विशाखीकोण को बनने से रोकना
- मुख्य संरचनात्मक ख्राांखा की संख्या और स्थान को नियंत्रित करना
- टहनियों के आपस में एक दूसरे के क्रपर चढ़ने और अवरोध को हटाना
- जल प्ररोह/अंतः भूस्तारी (सकर) को हटाना
- प्ररोह की वृद्धि, पुष्टता तथा दिशा को नियंत्रित करना
- पौध के छत्र को खुला रखना
- वृद्धि और फलन को नियंत्रित करना
- नियमित फलन को अभिप्रेरित करना
- सघन बागवानी के लिए पौधे के आकार को नियंत्रित करना
- पौधे के आंतरिक हिस्सों में धूप पहुंचने को नियंत्रित करना
- फल के आकार को बढ़ाना
- बागवानी कार्यों को सरल बनाना
- पौधे की आयु बढ़ाना
- पुराने और घने बागों का जीर्णोद्धार करना
- रोग और नाशीजीव नियंत्रण
- पौध को वांछनीय आकार देना

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA
Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand ❙ E-mail: missionhortiuk@gmail.com ❙ Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. Surbhi Pandey, Coordinator (HMNH) ❙ E-mail: surbi_pandey@yahoo.com